Hindi Murli Quiz 20-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **दुनिया भर में कोई आस्तिक नहीं। वह है हद की पढ़ाई, यह है बेहद की पढ़ाई। वह अनेक टीचर्स पढ़ाने वाले, यह एक टीचर पढ़ाने वाला। जो फिर वन्डरफुल है। यह बाप भी है, टीचर भी है तो गुरू भी है। यह टीचर तो सारे वर्ल्ड का है। परन्तु सबको तो पढ़ना नहीं है। बाप को सभी जान जायें तो बहुत भागें, बापदादा को देखने लिए।**

A. ( ) False / ये वाक्य गलत है
B. (•) True / ये वाक्य सही है

Q.2) **धारणा के लिए मुख्या सार का चयन करें -**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. [x] विघ्नों की परवाह नहीं करनी है।
B. [x] कोई भी विकर्म नहीं करना है।
C. [x] सदा खुशी रहे कि अभी हमारी वानप्रस्थ अवस्था है, हम वापस घर जा रहे हैं।
D. [x] आत्म-अभिमानी बनने की बहुत गुप्त मेहनत करनी है।
E. [x] बुद्धि में रहे कल्प पहले जिन्होंने मदद की है वह अभी भी अवश्य करेंगे, फिक्र की बात नहीं।
F. [x] बिगर कोई फिक्र (चिंता) के अपनी गुप्त राजधानी श्रीमत पर स्थापन करनी है।

Q.3) **बाप की दुआयें लेते हुए सदा ___ का अनुभव करो।**

A. ( ) श्रेष्ठ भाग्य
B. ( ) शक्तियों
C. (•) भरपूरता

Q.4) **Match the following**

	Choice	Match
A	तुम जानते हो कि सीढ़ी उतरने में बहुत टाइम लगता है, चढ़ने में सिर्फ यह अन्तिम जन्म लगता है	इसलिए कहा जाता है तुम त्रिलोकीनाथ, त्रिकालदर्शी बनते हो।
B	कहते हैं-हाँ बाबा, कल्प-कल्प मिलते हैं।	तो समझा जाता है ब्रह्माकुमारी ने ठीक समझाया है।
C	मनुष्य बाप के लिए कहते हैं-नाम-रूप से न्यारा है	तो फिर बच्चे कहाँ से आयेंगे!
D	जिन्होंने कल्प पहले समझा होगा	उनकी ही बुद्धि में बैठेगा।
E	कोई तो सुनी सुनाई बातों पर लिख देते हैं कि यह सब कल्पना है।	तो समझा जाता है यह अपने कुल के नहीं हैं।
F	ड्रामा को पूरा नहीं समझा है	उनको फिर नास्तिक कहा जाता है। वे बाप से प्रीत रख न सकें।

Q.5) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	यह है ऊंच ते ऊंच दो अथॉरिटी।	ब्रह्मा है साकार और शिव है निराकार।
B	मनुष्य तो मनुष्य ही हैं।	परन्तु कहाँ वह विश्व के मालिक, कहाँ अभी के मनुष्य!
C	यह तुम्हारी बुद्धि में ही है	भारत बरोबर 5 हजार वर्ष पहले ऐसा था, हम ही विश्व के मालिक थे।
D	अभी बाप ने आकर बताया है ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा कैसे होते हैं?	यह बड़ी गुह्य रमणीक बातें हैं जो और कोई समझ न सके।
E	निराकार बाप आकर पढ़ाते हैं।	कृष्ण भगवानुवाच नहीं है।
F	अभी तुम बच्चे सतोप्रधान बन रहे हो	इसमें खर्चा कुछ भी नहीं है।

Q.6) **कोई बीमार होता है, डॉक्टर कह देते हैं, केस होपलेस है तो फिर उनमें ममत्व जुड़ जाता है | सोचते हैं यह हमें छोड़ के चले जायेंगे |**

A. (•) False / ये वाक्य गलत है
B. ( ) True / ये वाक्य सही है

Explanation: कोई बीमार होता है, डॉक्टर कह देते हैं, केस होपलेस है तो फिर उनसे ममत्व निकल जाता है।

Q.7) **बाबा ने आज किस चीज़ की गैरंटी दी है ?**
(एक ही सटीक उत्तर का चयन करें)

A. अगर राय लेंगे तो सारी रेस्पोंसिबिलिटी बाबा की है |
B. तुम अगर योग में समझाओगे तो तीर ज़रूर लगेगा |
C. भगवानुवाच-मनमनाभव, मुझे याद करो तो तुम पवित्र हो जायेंगे।

Explanation: भगवानुवाच-मनमनाभव, मुझे याद करो तो मैं गैरन्टी करता हूँ तुम पवित्र हो जायेंगे।

Q.8) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	यहाँ नष्टोमोहा होने से फिर	तुम वहाँ मोहजीत राजा-रानी बनेंगे।
B	अपनी दिल से पूछना है	हमारा किसी में मोह तो नहीं है	
C	स्वर्ग में तो सब आयेंगे	वह कोई बड़ी बात नहीं है।
D	बड़ी बात है	सजा न खाकर, ऊंच पद पाना।
E	अभी तो हमारा ब्राह्मणों से नाता है फिर हमारा देवताओं से नाता होगा।	अभी का नाता सबसे ऊंच है।
F	बाप से वर्सा मिलता है तब तो	बाप के साथ लव है ना।

Q.9) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	कभी भी ब्राह्मण परिवार में किसी कमजोर आत्मा को	तुम कमजोर हो-ऐसे नहीं कहना।
B	आप रहमदिल विश्व कल्याणकारी बच्चों के मुख से	सदैव हर आत्मा के प्रति शुभ बोल निकलने चाहिए, दिलशिकस्त बनाने वाले नहीं।
C	चाहे कोई कितना भी कमजोर हो, उसे इशारा या शिक्षा भी देनी हो	पहले समर्थ बनाकर फिर शिक्षा दो।
D	पहले धरनी पर हिम्मत और उत्साह का हल चलाओ	फिर बीज डालो तो सहज हर बीज का फल निकलेगा।
E	हर आत्मा को हिम्मत, उल्लास दिलाने वाले	रहमदिल, विश्व कल्याणकारी भव!

Q.10) **चित्र मुख्य रखे हों। अन्दर कोई भी आये तो बोलो ..**

A. यह है मनुष्य से देवता बनने का स्कूल |
B. तुम आत्मा परमधाम में रहने वाली हो। यहाँ यह आरगन्स मिले हैं पार्ट बजाने के लिए।
C. तुम यहाँ पांच हज़ार वर्ष पहले भी आये थे |